<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
<u>पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)</u>
<u>पंतनगर विश्वविद्यालय से २३ कार्मिक सेवानिवृत्त</u>

पंतनगर। 31 जुलाई 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय से आज 23 कार्मिक सेवानिवृत्त हुए, जिनको डा. रतन सिंह सभागार में आयोजित समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप, ने सभी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किये। उप-वित्त नियंत्रक, डा. जे.सी. बडोला, ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता पशुचिकित्सा, डा. वाई.पी.एस. डबास, भी मंचासीन थे।

कुलपति, डा. तेज प्रताप ने कहा कि सभी सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों के योगदान से विश्वविद्यालय को एक नया आयाम प्राप्त हुआ है, जो उनके कार्यकाल में उनके उल्लेखनीय योगदान की वजह से संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय उन सभी की सेवाओं के लिए उनको अपनी दुवाओं में शामिल रखेगा। उन्होंने कहा कि जहां विश्वविद्यालय ने उनको बहुत कुछ दिया है वहीं उन सभी ने भी अपना श्रम व समय विश्वविद्यालय को दिया है। उन्होंने आशा प्रकट की कि जो नये लोग है वे अपनी जिम्मेदारी को समझेगें और अपने कार्यो से विश्वविद्यालय को आगे ले जायेंगे। डा. प्रताप ने सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के सुखी एवं मंगलमय जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर डा. एस.एन. तिवारी, निदेशक शोध, एवं डा. वाई.पी.एस. डबास ने भी सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों को शुभकामनाएं दी। सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों में से डा. एस.एस. वर्मा, डा.बी.एम. कुमार, एवं डा. यू.सी. जौहरी ने भी अपने उद्गार प्रकट किये।

आज सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों में डा.बी.एम. कुमार, डा. यू.सी. जौहरी एवं डा. एस.एस. वर्मा, प्राध्यापक; श्री ललित कुमार सक्सेना, सहायक भण्डार क्रय अधिकारी; श्री डालचन्द्र, श्री सी.एस. जोशी एवं श्री देवेन्द्र सिंह, वरिष्ठ तकनीकी सहायक; श्री मोहम्मद नूर, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी; श्री आर.बी. सचान, तकनीकी सहायक; श्री आर.के. शर्मा, मैकेनिक कम जनरेटर आपरेटर; श्री के.सी. भट्ट, मैकेनिक; श्री अबरार अली खान, पम्प चालक; श्री जीतपाल सिंह, छात्रावास प्रबंधक; श्री मित्तन प्रसाद, श्री वशिष्ठ मिश्रा एवं श्री चनेश्वर, सुरक्षा चौकीदार; श्री वशिष्ठ, कुक्कुट सेवक, तथा श्री रसूल, श्री नथुनी, श्री रामअधार, श्रीमती जयमनी, श्रीमती मेहरून एवं श्रीमती रमनी देवी, कृषि श्रमिक, सम्मिलित थे।

सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों के साथ कुलपति, डा. तेज प्रताप एवं अन्य वैज्ञानिक व अधिकारी।